

उपचारना स.क्रि. (तद्.) 1. सुधारना 2. चिकित्सा करना, 3. सम्मान करना; पूजा 4. ललकारना।

उपचारवक्रता स्त्री. (तत्.) काव्य. काव्य में चमत्कार उत्पन्न करने के लिए वर्ण्य पदार्थ पर ऐसे भाव का आरोप जो उसका धर्म नहीं होता, जैसे- आँखियाँ हरिदरसन की प्यासी। यहाँ आँखों का धर्म प्यास नहीं परंतु उसका आरोप चमत्कारपूर्ण है।

उपचारिका स्त्री. (तत्.) 1. चिकित्सालयों में उपचार करने वाली महिला 2. सेवा, परिचर्या करने वाली।

उपचारी वि. (तत्.) दे. उपचारक।

उपचार्य वि. (तत्.) उपचार या सेवा के योग्य।

उपचित वि. (तत्.) 1. इकट्ठा किया हुआ 2. बढ़ा हुआ, संवर्धित 3. संगृहीत

उपधिति स्त्री. (तत्.) संग्रह, समृद्धि।

उपचुनाव पु. (तद्.) प्रशा. नियमित चुनाव और अगले चुनाव के बीच किसी चुने गए सदस्य के त्यागपत्र या देहांत से उत्पन्न रिक्ति को भरने के लिए उस चुनाव क्षेत्र में किया जाने वाला विशेष चुनाव, उपनिर्वाचन। by election

उपचेतन वि. (तत्.) मनो. अस्पष्ट एवं धूमिल चेतना, चेतन-अचेतन के मध्य की (अवस्था) sub-conscious

उपचेतना स्त्री. (तत्.) मनो. बाह्य चेतना से भिन्न अन्तःस्थित चेतना, अवचेतना जैसे-स्वप्नावस्था की चेतना।

उपच्छाया स्त्री (तत्.) 1. भौ. किसी वस्तु की छाया का अंशतः अदीप्त भाग जिसमें स्रोत के किसी सीमित भाग से प्रकाश पहुँचता है, अन्य से नहीं 2. भू./खगो. सूर्यग्रहण या चंद्रग्रहण के समय चंद्रमा या पृथ्वी की छाया का वह भाग जहाँ प्रकाश पूरी तरह लुप्त नहीं होता, जो आंशिक ग्रहण का सूचक है। penumbra

उपज स्त्री. (तद्.) 1. उत्पन्न होने की क्रिया या भाव 2. उत्पत्ति, उत्पन्न हुई सामग्री, पैदावार

3. कृषि खेत, खलिहान, बागवानी आदि से अंतिम उत्पाद के रूप में प्राप्त वस्तु की मात्रा।

3. संगी. राग की सुंदरता के लिए उसमें निबद्ध तानों के अतिरिक्त कुछ तानें अपनी ओर से मिलाना। improvisation

उपजनन पुं. (तत्.) 1. प्रजनन 2. उत्पादन 3. निर्माण 4. सृजन (सर्जन)।

उपजना स.क्रि. (तद्.) 1. उत्पन्न होना, जन्म लेना 2. उगना 3. नई बातें सूझना।

उपजाऊ वि. (देश.) कृषि. भूमि जिसमें अधिक उपज हो, जरखेज, उर्वर, जिसमें अच्छी पैदावार हो। fertile

उपजाऊपन पुं. (तत्.) उपजाऊ या उर्वर होने का भाव, उर्वरा शक्ति।

उपजात वि. (तत्.) 1. पैदा हुआ, उत्पन्न 2. रसा. रासायनिक क्रिया में मुख्य उत्पाद के साथ उत्पन्न अन्य उत्पाद, सहायक उत्पाद, उपोत्पाद। by product

उपजाति स्त्री. (तत्.) 1. प्राणि. जाति से सूक्ष्मतर वर्गीकृत इकाई, जाति का कोई उपभेद sub-species, sub-caste 2. काव्य. में इंद्रवज्रा और उपेंद्रवज्रा तथा इंद्रवज्रा और वंशस्थ के मेल से बनने वाले वर्णवृत्त।

उपजाना स.क्रि. (तद्.) 1. उत्पन्न करना, उगाना 2. पैदा करना, बनाना, निर्माण करना।

उपजिला पुं. (तत्., फा.) जिले का एक भाग या उपखंड। sub-district

उपजिह्वा स्त्री. (तत्.) 1. भाषा. जीभ के मूल में छोटी जीभ, अलिजिह्वा, कौवा, घंटीक।

उपजीवक पुं. (तत्.) दे. उपजीवी।

उपजीवन पुं. (तत्.) 1. निर्वाह, वृत्ति, जीविका; इसके साधन, 2. दूसरों पर आश्रित जीवनयापन।

उपजीविका स्त्री. (तत्.) 1. जीविका के मुख्य साधन के अतिरिक्त आय का अन्य गौण साधन 2. जीवन निर्वाह के लिए कहीं से प्राप्त होने वाली सहायता, वृत्ति, अनुदान आदि।